संस्कृत–विभाग
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,
शिमला – 171005

दिनांक 28.05.2016

परिवर्तित / संशोधित विषय तथा पूर्व विषय / हटाया गये विषयों का कोड सहित विवरण –

संख्या	कोड	परिवर्तित / संशोधित विषय	पूर्व विषय / हटाया गया	पृष्ठ संख्या
1	**SHT 0101 – A - 1**	संधि प्रकरण	पाणिनीय शिक्षा	10
2	**SHT 0101 – E – 1**	ताजिकनीलकण्ठी (षोड़श योग पर्यन्त)	ताजिकनीलकण्ठी (सम्पूर्ण)	18
3	**SHT 0102 – D**	ज्योतिषशास्त्रे रोगविचार ग्रन्थ वृहद् पराशर होरा शास्त्र	शेष ग्रन्थ हटाये	25
4	**SHT 0201 – B – IV**	-	प्रबोधचन्द्रोदय (सम्पूर्ण) प्रबोधचन्द्रोदय, लेखकः श्रीकृष्णमिश्र, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38, यू०ए०, बैंग्लो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली	33
5	**SHT 0201 – C – III**	साँख्य प्रवचन भाष्य (1–2 अध्याय) विज्ञानभिक्षुकृत चौ0 स0 सी0 वाररणसी	साँख्यकारिका युक्तिदीपिका सहित (सम्पूर्ण)	34
6	**SHT 0201 – E – III**	ग्रहलाघव (संज्ञातन्त्र मात्र) लेखक गणेश दैवज्ञ कृत चौ0 स0 सी0 वाराणसी	चापीय त्रिकोणमिति (सम्पूर्ण)	38
7	**SHT 0202 – D**	ज्योतिषशास्त्रे विद्या/ संतान विचार वृहद् पराशर होरा शास्त्र, चौ0 स0 सी0 वा0	(सर्वेषुज्योतिषग्रन्थेषु)	45
8	**SHT 0302 – D**	ज्योतिषशास्त्रे भाक्वविचार वृहद् पराशर होरा शास्त्र, चौ0 स0 सी0 वा0	(सर्वेषुज्योतिषग्रन्थेषु)	65
9	**SHT 0401 –**	कृदन्त (पूर्व कृदन्त पर्यन्त)	वैदिक प्रक्रिया	71

	A – VIII			
10	**SHT 0401 – A – IX**	उत्तर कृदन्त पर्यन्त	1 व्याकरण महाभाष्यम्(प्रथम आह्निक) 2 वाक्यपदीयम्(प्रथम काण्ड)	72
11	**SHT 0401 – B – IX**	उत्तररामचरितं सम्पूर्ण भवभूतिकृत	भट्टिकाव्यम्(1–3 सर्ग)	75
12	**SHT 0401 – C – IX**	अपरोक्षानुभूति (सम्पूर्ण) शंकराचार्यकृत, चौ0 स0 सी0 वा0	पञ्चदशी(सम्पूर्ण)	78
13	**SHT 0401 – E – VIII**	सिद्धान्ततत्व विवेक ,कमलाकर भट्ट कृत, चौ0 स0 सी0 वा0	रेखागणित(सम्पूर्ण)	83
14	**SHT 0402 – A**	वैदिक प्रकिया सिद्धान्त कौमुदी	परमलघुमन्जूषा (सम्पूर्ण)	88
15	**SHT 0501 – A –XI**	तद्धित (प्रारम्भ से छयद्विधि पर्यन्त) 1–9 प्रकरण	तद्धित (सम्पूर्ण)	96
16	**SHT 0501 – B –XII**	मधुवर्षणम् (द्वितीय सर्ग मात्र)	प्रथम सर्ग हटाया गया	100
17	**SHT 0601 – A -XIV**	तद्धित आर्हिय प्रकरण से द्विरुक्त प्रकरण तक 10–19 प्रकरण	लघु□ाब्देन्दु□ाखर (सम्पूर्ण)	123
18	**SHT 0601 – B -XIII**	-	भट्टिकाव्यम् (14वाँ सर्ग)	124
19	**SHT 0601 – C -XIV**	प्रत्यभिज्ञाहृदयं ,जयदेव मोतीलाल चौ0 स0 सी0 वाराणसी	प्रमाणवार्तिकम् (सम्पूर्ण)	127
20	**SHT 0602 – C**	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष तथा अनुमान प्रकरण , चौ0 सुरभारती प्रकाशन	1 प्रामाण्यवाद : (सम्पूर्ण) 2.सत्प्रतिपक्ष (सम्पूर्ण)	136
21	**SHT 0602 - F**	-	वास्तुमाणिक्यरत्नाकर (सम्पूर्ण)	139
22	**SHT 0602 -P**	-	अलंकारसारमञ्जरी (सम्पूर्ण) छन्दोविंशतिका (सम्पूर्ण) वृत्तरत्नाकर (सम्पूर्ण)	149

23	**SHT 0602 -Q**	**विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् (प्रथम भाग मात्र)**	**विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् (सम्पूर्ण)**	150